Popular Front of India

+91 11 46526919
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

प्रेस रिलीज़

19 नवंबर 2021
नई दिल्ली

कृषि कानूनों की वापसी अहंकार और तानाशाही पर लोकतांत्रिक संघर्ष की जीतः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम ए सलाम ने अपने हालिया बयान में प्रधानमंत्री की कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा को देश के किसानों की लंबी लोकतांत्रिक लड़ाई की जीत क़रार दिया है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को एक बार फिर यह सबक मिला है कि लोकतंत्र में असल शासन जनता का होता है और उनकी चाहत को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। किसानों की ऐतिहासिक लोकतांत्रिक लड़ाई को आखिरकार अहंकार और तानाशाही पर जीत हासिल हुई है। सरकार के अत्याचारी रवैये के बावजूद किसान संगठनों ने कभी अपना कदम पीछे नहीं हटाया और लगभग एक साल तक अपनी लड़ाई को जारी रखा, जिसके सामने बीजेपी के अहंकार को घुटने टेकने पड़ गए।

यूपी विधानसभा चुनावों के समय में इस घोषणा का आना कोई संयोग नहीं है। यह वही सरकार है जिसने बार–बार यह साबित किया है कि उसने हमेशा किसानों की ज़िंदगियों और देश की जनता की खुशहाली से बढ़कर अपनी चुनावी जीत और सत्ता को प्राथमिकता दी है, और इस चीज़ को प्राप्त करने के लिए यह किसी भी हद तक जा सकती है। किसान कानूनों की वापसी ने भी बिना किसी शक के यह साबित कर दिया है कि किसानों ने कभी भी इन कानूनों को स्वीकार नहीं किया और इन कानूनों का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ देश के कुछ अमीर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना था। आंदोलन कर रहे किसानों पर पुलिस और दक्षिणपंथी समूहों के अत्याचार को भी कभी नहीं भुलाया जा सकता।

देश को किसानों की लड़ाई का समर्थन उस वक्त तक जारी रखना होगा जब तक कि उनकी बाकी मांगें भी पूरी नहीं हो जातीं और इन कानूनों के खिलाफ प्रदर्शनों में अपनी जानें गंवाने वालों को न्याय नहीं मिल जाता।

इस जीत में हाशिए पर खड़े दूसरे वर्गों के लिए एक बड़ा सबक है कि वे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करें और सीएए और एनआरसी जैसे भेदभावपूर्ण एवं असंवैधानिक कदमों को कैसे पराजित करें।

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली